Skill Development Programme

For Answer Writing

Ethics (Model Answer)

DATE : 25 Aug, 2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- साध्य ही साधन का औचित्य निर्धारित करता है। टिप्पणी कीजिए।

(150 शब्द, 10 अंक)

"The ends justifies the means." Comment.

(150 Words, 10 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

नीतिशास्त्र के अन्तर्गत एक ऐसा सिद्धांत जो साध्य को सब कुछ मानता है, अर्थात् साध्य, साधन का औचित्य निर्धारित करता है, को नैतिकता का प्रतिफल सिद्धांत कहा जाता है।

मुख्य विषय-वस्तु :

- नैतिकता का प्रतिफल सिद्धांत साध्य को ही सबकुछ मानता है।
- यह उचित या अनुचित के स्थान पर शुभ या अशुभ को प्राथमिकता देता है।
- यह परिणाम एवं प्रक्रिया में परिणाम को वरीयता देता है।
- इस सिद्धांत के अन्तर्गत साधन को प्राथमिकता दिए बिना साध्य को सर्वोपरि माना गया है।
- इस सिद्धांत को मानने वाले एपिक्यूरस तथा अरस्तु जैसे विचारक सुख को जीवन का अन्तिम लक्ष्य मानते हैं।
- हालाँकि अरस्तु का सुख वह परम सुख है, जिसमें आन्तरिक संतुष्टि या आध्यात्मिक संतुष्टि का भाव निहित होता है।
- इस संदर्भ में साधन चाहे जैसा भी हो अगर साध्य शुभ है तो साधन गौण हो जाता है।
- इस रूप से यह सिद्धांत उपयोगितावाद पर बल देता है।
- अत: हम कह सकते हैं कि अगर साध्य शुभ है, तो साधन गौण हो जाता है, अर्थात् साध्य के सफल होने पर साधन को भी सफल माना जाता है।
- संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि साध्य, साधन का औचित्य सिद्ध करता है।
- परन्तु यह विचार लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत देखा जाता है, क्योंकि लोकतंत्र में अंतिम व्यक्ति का हित भी महत्त्वपूर्ण है, जिसकी यह उपेक्षा करता है।
- साथ ही गांधीजी के साध्य और साधन की पवित्रता जैसे विचार को सीमित करता है, परन्तु भौतिकवादी युग में जहाँ अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख की बात है, यह प्रासंगिक हो जाता है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *

GS World Committed To Excellence